3. मूर्तिकला एवं स्थापत्य

(SCULPTURE AND ARCHITECTURE)

3.1. बौद्ध मठ

(Buddhist Monasteries)

सुर्खियों में क्यों?

- **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI)** ने गुजरात के वडनगर शहर में बौद्ध मठों की तरह दिखने वाले ढांचे का पता लगाया है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण **संस्कृति मंत्रालय** के तहत पुरातात्विक शोध और राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु प्रमुख संगठन है।
- इसका मुख्य उद्देश्य प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थलों तथा राष्ट्रीय महत्व के अवशेषों का रख-रखाव करना है।
- इसके अतिरिक्त, यह **प्राचीन संस्मारक, पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958** के प्रावधानों के अनुसार देश में सभी पुरातात्विक गतिविधियों को नियंत्रित करता है। यह **पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम, 1972** को भी विनियमित करता है।

- **बोधि पर्व-बौद्ध विरासत का बिम्सटेक महोत्सव** एक तीन दिवसीय महोत्सव के रूप में नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
- आंध्र प्रदेश के घंटसाला में 70 फीट की बुद्ध प्रतिमा बनाने का प्रस्ताव सरकार द्वारा पारित किया गया है।

बौद्ध वास्तुकला के प्रकार

- बौद्ध वास्तुकला के निम्नलिखित तीन प्रमुख प्रकार पाए जाते हैं:
  - **स्तूप:** यह बुद्ध के अवशेषों पर बना हुआ टीला है। यह एक कटोरे के आकार का अर्द्ध गोलीय गुंबद होता है। मूल स्तूपों में बुद्ध के अवशेष थे। भारत के सबसे प्रसिद्ध स्तूपों में से एक मध्य प्रदेश का सांची स्तूप है। उत्तर प्रदेश का पिपरहवा स्तूप भी प्राचीन स्तूपों में से एक है।
  - **विहार :** यह भिक्षुओं का निवास स्थल होता है। यह एक या दो मंज़िला निवास स्थल होता है जो स्तम्भ युक्त बरामदे में खुलता है।
  - **चैत्य या चैत्यगृह:** यह एक सभा कक्ष (जिसमें पूजा की जाती है) होता है जिसमें एक स्तूप होता है उदाहरण : महाराष्ट्र के लोनावाला के पास स्थित कार्ले की गुफाओं में चैत्य।
- ये अधिकतर शैलोत्कीर्ण गुफाओं के रूप में थे।

महत्वपूर्ण बौद्ध स्थल

अष्टमहास्थान (आठ पवित्र स्थान):

- **लुंबिनी, नेपाल:** बुद्ध का जन्म स्थल।
- **बोधगया, बिहार:** बुद्ध को ज्ञान प्राप्ति।
- **सारनाथ, उत्तर प्रदेश:** पहला धर्मोपदेश या धम्मचक्रप्रवर्तन
- **कुशीनगर, उत्तर प्रदेश:** मृत्यु या महापरिनिर्वाण
  - "महापरिनिर्वाण" निर्वाण की अंतिम अवस्था (अनन्त, उच्चतम शांति और आनंद) को संदर्भित करता है
- इनके साथ, अन्य चार श्रावस्ती, संकास्य (संकिस्सा), राजगीर और वैशाली हैं।

महत्वपूर्ण मठ

- **लद्दाख:** हेमिस, थिक्से, फुकटल मठ, ज़ांस्कर, रिजोंग
- **लेह:** डिस्किट मठ, लामयुरु मठ

- **कर्नाटक:** नामद्रोलिंग निंगमापा मठ (कूर्ग)
- **हिमाचल प्रदेश:** धनकर, टाबो मठ (स्पीति घाटी), पालपंग शेरबलिंग मोनेस्टिक सीट (कांगड़ा घाटी), नामग्याल मठ (धर्मशाला), गांधोला मठ, कुंगरी मठ, कार्दंग मठ
- **पश्चिम बंगाल:** घूम मठ
- **उत्तराखंड:** मिंडरोलिंग मठ (देहरादून)
- **सिक्किम:** रुमटेक और गोनजंग मठ, **एंचेय** मठ, रलांग मठ, पेमायांगत्सी मठ।
- **अरुणाचल प्रदेश:** तवांग मठ

3.2. होयसल मंदिर वास्तुकला

(Hoysala Temple Architecture)

सुर्ख़ियों में क्यों?

- कर्नाटक के कोलार जिले के वेंकटपुरा में एक सार्वजनिक ट्रस्ट द्वारा होयसल शैली में एक मंदिर का निर्माण किया जा रहा है।

होयसल वास्तुकला

- होयसल वंश ने दक्षिणी कर्नाटक में 11वीं और 14वीं शताब्दी के मध्य शासन किया था। होयसल वास्तुशिल्प शैली को इंडो-आर्यन और द्रविड़ परंपराओं का मध्यवर्ती माना जाता है।
- इसके मंदिर अलंकृत और जटिल होते हैं। होयसल मंदिर की एक अन्य विशेषता यह है कि इसमें सैंडस्टोन (बलुआ पत्थर) के स्थान पर सोपस्टोन (सेलखड़ी पत्थर) का प्रयोग किया जाता है।
- मंदिर का आधार **ताराकार** होता है और मंदिर की मुख्य संरचना ऊँचे उठे हुए प्लेटफार्म पर निर्मित होती है। मंदिरों को जटिल मूर्ति नक्काशियों द्वारा आच्छादित किया जाता है।
- प्रसिद्ध होयसल शैली के मंदिरों में से कुछ हैं: बेलूर का चेन्नाकेशव मंदिर, हेलेबिड का होयसलेश्वर मंदिर और अर्सिकेरे का ईश्वर मंदिर।

3.3. आनंद मंदिर

(Ananda Temple)

सुर्ख़ियों में क्यों?

- प्रधानमंत्री ने म्यांमार के बागान में आनंद मंदिर का दौरा किया, जिसका भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा नवीनीकरण किया जा रहा है।

इससे सम्बंधित और अधिक जानकारी

- यह 12वीं शताब्दी में बर्मा के राजा क्यांसित्था द्वारा निर्मित एक बौद्ध मंदिर है। पूरे बागान क्षेत्र में यह दूसरा सबसे बड़ा मंदिर है और इसे मोन (Mon) वास्तुकला की एक उत्कृष्ट कृति माना जाता है। ASI ने 2010 में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद मंदिर के संरक्षण कार्य को संभाला।

ASI द्वारा किये जाने वाले अन्य संरक्षण कार्य

- **बामियान गुफाएं -** अफगानिस्तान के बामियान की बुद्ध मूर्तियां 6-7 वीं शताब्दी में बामियान घाटी के सम्मुख स्थित चट्टानों पर उत्कीर्ण की गई थीं। 2001 में आतंकी हमलों में इनके नष्ट होने से पहले बामियान की बुद्ध मूर्ति को विश्व की सबसे बड़ी बुद्ध मूर्ति माना जाता था।
- **अंकोर वाट (कम्बोडिया) -** 1113 AD से 1150 AD के मध्य लगभग 500 एकड़ (200 हेक्टेयर) के क्षेत्र में निर्मित यह विश्व के सबसे बड़े धार्मिक स्मारकों में से एक है। यह मंदिर राजा सूर्यवर्मन द्वितीय द्वारा बनवाया गया था। मूल रूप से इसका निर्माण भगवान विष्णु को समर्पित एक हिंदू मंदिर के रूप हुआ था, लेकिन 14वीं शताब्दी में इसे एक बौद्ध मंदिर में परिवर्तित कर दिया गया।

- **ता प्रोह्म मंदिर (Ta Prohm Temple-कंबोडिया) -** 1186 AD में निर्मित और मूल रूप से राज विहार (राजा के मठ) के नाम से जाना जाने वाला ता प्रोह्म जयवर्मन VII की मां को समर्पित एक बौद्ध मंदिर था।
- **लाओस का वाट फ़ो (Vat Phou) मंदिर -** यह नष्ट प्राय खमेर मंदिर परिसर अंकोर वाट से पुराना है। इस स्थल पर एक अत्यधिक प्राचीन मंदिर 5 वीं शताब्दी का है। यह एक बौद्ध धार्मिक स्थल है। हालांकि, तीन सिर वाले हाथी पर सवार इंद्र (तूफान और वर्षा के हिंदू देवता) तथा गरुड़ पर सवार विष्णु की विभिन्न मूर्तियाँ यहाँ प्राप्त होती हैं। यह यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल सूची में सम्मिलित है।
- **माई सन (My Son) मंदिर (वियतनाम) -** माई सन मंदिर परिसर 4 से 13 वीं शताब्दी तक की अवधि का है। यह स्थल केंद्रीय वियतनाम में क्वांग नाम प्रांत (Quang Nam Province) की पहाड़ी सीमा के पास Duy Xuyen जिले में स्थित है। यह माई सन सभ्यता के समय निर्मित एक हिंदू मंदिर है।

3.4. अजंता की गुफाएं

(Ajanta Caves)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, महाराष्ट्र में स्थित अजंता की गुफाओं का डिजिटल रीस्टोरेशन किया गया।

अजंता गुफाओं के बारे में अधिक जानकारी

- इनमें 29 शैलोत्कीर्ण बौद्ध गुफाएँ सम्मिलित हैं, जिसमें विभिन्न चैत्य और विहार हैं।
- अजंता की गुफाएँ मुख्य रूप से अपनी चित्रकला और मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध हैं। चित्रकला के विभिन्न विषयों में **बुद्ध का महापरिनिर्वाण**, **पद्मपाणि** (कमल धारण करने वाले बोधिसत्व), **वज्रपाणि** (एक आनुष्ठानिक वास्तु वज्र धारण करने वाले बोधिसत्व) और **मार-विजय** शामिल है। अजंता चित्रकला वास्तविक फ्रेस्को तकनीक पर आधारित नहीं है क्योंकि इसमें पहले प्लास्टर किया गया है तत्पश्चात उस पर चित्र बनाया गया है।

अन्य शैलोत्कीर्ण (रॉक-कट) गुफाएं

- **एलोरा गुफाएं -** ये महाराष्ट्र में औरंगाबाद के निकट स्थित हैं और बौद्ध, जैन तथा ब्राह्मण धर्म से संबंधित हैं। यह कैलाशनाथ मंदिर के लिए जानी जाती है जो एक एकाश्मक मंदिर है। बौद्ध गुफाओं में वज्रयान बौद्ध धर्म से और ब्राह्मण गुफाओं में शैव और वैष्णव धर्म से संबंधित चित्र हैं।
- **एलिफेंटा की गुफाएं -** ये महाराष्ट्र के एलीफैंटा द्वीप पर स्थित हैं। यहां पहले बौद्ध चित्रों का प्रभुत्व था, परन्तु बाद में इसका स्थान शैव धर्म से सम्बंधित चित्रों ने ले लिया। यहाँ की सबसे प्रभावशाली मूर्ति त्रि-मूर्ति है, जिसमें शिव को निर्माणकर्ता, संरक्षणकर्ता और विनाशकर्ता के रूप में दिखाया गया है।
- **भीमबेटका की गुफाएं** - यह मध्य प्रदेश में भोपाल के निकट स्थित है। यह गुफा निम्न पुरापाषाण काल से लेकर मध्य पाषाण काल तक की अवधि से सम्बंधित है। यह अपने शैल चित्रों के लिए प्रसिद्ध है। इन चित्रों को मुख्यतः लाल और सफ़ेद रंग से बनाया गया है, जिसमें यदा-कदा हरे और पीले रंगों का प्रयोग किया गया है। चित्रकला का विषय दैनिक जीवन की घटनाओं से लेकर धार्मिक और यथार्थ विषयों तक है।
- **भाजा और कार्ले की गुफाएं-** ये मौर्य काल में बनायी गई थीं। ये गुफाएं बौद्ध धर्म के हीनयान सम्प्रदाय के अति महत्वपूर्ण केंद्रों में से एक हैं। यहाँ पर बुद्ध के चित्र भी प्राप्त होते हैं।

- **कन्हेरी की गुफाएं, मुंबई**- ये अपनी प्राकृतिक बेसाल्ट संरचनाओं, प्राचीन भारतीय वास्तुकला और गुफाओं के 109 विशेष प्रवेश द्वारों के लिए प्रसिद्ध हैं। गुफाओं के अंदर बुद्ध के लगभग 34 अधूरे चित्र हैं।
- **उदयगिरि गुफाएं-** ये मध्यप्रदेश के विदिशा में स्थित हैं। यहाँ कुछ सबसे पुराने हिंदू मंदिर प्राप्त होते हैं। ये गुफाएँ गुप्त काल में बनायीं गयी थीं और इनका सम्बन्ध वैष्णव, शैव और शाक्त (दुर्गा) सम्प्रदाय से है। यहाँ गुप्त काल के महत्वपूर्ण शिलालेख भी प्राप्त हुए हैं। यहीं से प्रतिष्ठित वाराह की मूर्ति प्राप्त हुई है जो भू-देवी के उद्धार की कथा से सम्बंधित है। यहाँ से सामान्य गेरुए रंग के चित्र प्राप्त होते हैं।

3.5. स्वातंत्र्योत्तर वास्तुकला

(Post-Independence Architecture)

सुर्ख़ियों में क्यों?

वर्ल्ड मॉन्यूमेंट फंड ने 2018 की अपनी वर्ल्ड मॉन्यूमेंट वॉच लिस्ट में 30 देशों के 25 सांस्कृतिक विरासत स्थलों को शामिल किया है।

वर्ल्ड मॉन्यूमेंट फंड (WMF)

- यह एक निजी गैर-लाभकारी संस्था है जिसे सम्पूर्ण विश्व में महत्वपूर्ण कलानिधियों के तीव्र विनाश के बारे में चिंतित व्यक्तियों द्वारा 1965 में स्थापित किया गया था।
- इसका उद्देश्य, अपने कार्यक्रम **वर्ल्ड मॉन्यूमेंट वॉच** के माध्यम से संकटापन्न सांस्कृतिक विरासत स्थलों की पहचान करना और उनके संरक्षण के लिए प्रत्यक्ष वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करना है।

प्रभाव

- वॉच लिस्ट में विरासत स्थलों के प्रवेश का अर्थ है कि वर्तमान में युद्ध, जलवायु परिवर्तन या अन्य खतरों के कारण ये स्थल संकट में हैं।
- इन स्थलों में कैरेबियन देश, खाड़ी देश और मैक्सिको के तूफान वाले क्षेत्र तथा देश में चल रहे गृह युद्ध से क्षतिग्रस्त सीरिया में एलेप्पो का सोक (Souk) शामिल है।
- भारत से **"दिल्ली की स्वातंत्र्योत्तर वास्तुकला"** की पहचान संरक्षण के लिए की गई है।
- अदालती कार्यवाही की प्रतीक्षा किए बिना प्रगति मैदान में स्थित **'हॉल ऑफ़ नेशंस'** इमारत को तोड़ने के बाद दिल्ली की स्वातंत्र्योत्तर वास्तुकला प्रकाश में आयी। यह इमारत 1972 में प्रसिद्ध वास्तुकार राज रेवल द्वारा बनाई गई थी।

अन्य प्रमुख स्वातंत्र्योत्तर वास्तुशास्त्रीय उदाहरण

- फ्रेंच वास्तुकार ली कार्बूजिए द्वारा सड़कों के अनुक्रमिक संयोजन एवं हरित क्षेत्रों के साथ चंडीगढ़ का शहर नियोजन।
- केरल में **लॉरी बेकर** की सामूहिक आवास परियोजनाओं में स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री का उपयोग करते हुए भवनों का निर्माण ताकि पर्यावरण के साथ इनका तालमेल किया जा सके।
- चार्ल्स कोरिया के वास्तुशास्त्रीय चमत्कार जिसमें अहमदाबाद के साबरमती आश्रम में महात्मा गांधी मेमोरियल संग्रहालय, जयपुर में जवाहर कला केंद्र, नवी मुंबई शामिल हैं। इनमें स्थानों के निर्धारण में प्रचलित संसाधनों, ऊर्जा और जलवायु पर विशेष बल दिया गया है।